हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 306 देहरादून, मंगलवार, 04 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना से पूर्व राजनीतिक दलों एवं प्रेस प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

3

हरिद्वार यात्रा कार्यालय पहुंचे सीएम धामी, अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- चार धाम यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री
- यात्रा को सुगम और सरल बनाने में सभी मिलकर बनें सहयोगी : मुख्यमंत्री

हरिद्वार 04 जून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषि कुल मैदान हरिद्वार में संचालित हो रहे चार धाम यात्रा पंजीकरण केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पंजीकरण हेतु पहुंचे श्रद्धालुओं से भी बातचीत कर व्यवस्थाओं के प्रति उनके विचार जाने। मुख्यमंत्री को अचानक से अपने बीच पाकर श्रद्धालुओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं के हित में यदि पंजीकरण काउण्टर बढ़ाये जाने की आवश्यकता हो तो जरूरत के हिसाब से काउण्टर बढ़ाये जाये, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय के साथ कूलर आदि की व्यवस्था की जाए, सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा कर्मी तैनात किये जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर आवश्यक कदम उठाये जाये। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये कि किसी भी श्रद्धालु के साथ फ्रॉड न हो, यदि किसी भी श्रद्धालु के साथ फ्रॉड होता है तो फ्रॉड करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार धाम यात्रा हरिद्वार से प्रारंभ होती है। विगत दिनों चार धाम यात्रा के दौरान अधिक संख्या के कारण ऑफ लाइन पंजीकरण प्रक्रिया को कुछ समय के लिए बन्द किया गया था, जिसे अब खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा वाले जनपदों में श्रद्धालुओं की बढती संख्या को देखते हुए सुरक्षा के लिये प्रभावी कदम उठाये जा रहे है। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य एवं व्यवस्थाएं सामान्य रहने पर ऑफलाइन पंजीकरण संख्या को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है की सभी श्रद्धालु धामों के दर्शन कर सकें और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी बनी रहे। उन्होंने कहा कि यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं सुगमता से पूरी हो, तथा कोई परेशानी श्रद्धालुओं को न हो, यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मानसून के दृष्टिगत जो भी व्यवस्थाएं की जानी होंगी, वह भी सुनिश्चित की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता चारधाम यात्रा पर आने वाले

सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपेक्षा की है कि उन्हें चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन के अनुसार जो तिथि मिली है, उसके अनुसार ही दर्शन के लिए आयें।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से स्वास्थ्य परीक्षण और मौसम का पूर्वानुमान देखने के बाद ही चारधाम यात्रा पर आने के लिए भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि चारधाम यात्रा सुरक्षित हो और सभी श्रद्धालु भी स्वस्थ और सुरक्षित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा प्रदेश की लाईफ लाईन है। यह यात्रा राज्य की आर्थिकी से भी जुड़ी है। जिस तेजी से चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में

वृद्धि हो रही है, हम सबका दायित्व है कि यात्रा को सुगम और सरल बनाने में सभी मिलकर सहयोगी बनें।

व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।इस अवसर पर विधायक मदन कौशिक, पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानन्द ने मुख्यमंत्री से चारधाम यात्रा से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष किरन चौधरी, एसएसपी प्रमेन्द डोबाल, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुरेश यादव, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, बीजेपी जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, पर्यटन से जुड़े कारोबारी आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड : पांच जिलों में बारिश से मिलेगी राहत, इस दिन पहुंचेगा मानसून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 जून : मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेश के मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा जबकि पांच जनपदों में बारिश की सम्भावना है। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में झोंकेदार हवाएं चलने का अनुमान है। प्रदेश में मानसून 20 से 22 जून की बीच दस्तक देगा।उत्तराखंड में चल रहे गर्मी के कहर से लोगों को जल्द छुटकारा मिलने वाला है।

मई का महीना सूखा जाने के बाद अब जून के शुरुआत से ही बारिश ने अपनी दस्तक दे दी है। इस सप्ताह पूरे प्रदेशभर का मौसम बदलने वाला है। रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने इस बार प्रदेशवासियों को बेहाल कर दिया है, जिससे

जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। गर्मी के चलते वनाग्नि ने भी प्रचंड रूप लेकर कई जंगलों को राख में बदल दिया है, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, बिजली की मांग में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिससे बार-बार बिजली कटौती की समस्याएं सामने आ रही हैं।गर्मी से परेशान लोग अब मानसून के आने का इंतज़ार बेसब्री से कर रहे है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहेगा और वहीं चमोली, बागेश्वर, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ में बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य के लगभग सभी जिलों में 5 और 6 जून को गरज चमक के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, इससे तापमान में गिरावट आएगी और मौसम भी सुहावना होगा। प्रदेश में मानसून 20 से 22 जून तक पहुंच जाएगा।

सीएम धामी ने जगद्गुरु आश्रम में शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से आशीर्वाद लिया

- भाजपा का लोकसभा चुनाव में 400 पार का संकल्प पूरा हो रहा है : सीएम

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा का लोकसभा चुनाव में 400 पार का संकल्प पूरा हो रहा है। देश की जनता ने विकसित भारत संकल्प, भारत को विश्वगुरु बनाने, गरीब कल्याण और सुशासन के लिए मतदान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस बार भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। जीत के बाद एक नए भारत, विकसित भारत और दुनिया का नेतृत्व करने वाले भारत का निर्माण होगा।

उन्होंने यह बातें जगद्गुरु आश्रम में पत्रकारों से वार्ता में कही। सोमवार की दोपहर को सीएम ने कनखल के जगद्गुरु आश्रम में शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से आशीर्वाद लिया। उनकी शंकराचार्य के साथ धर्म और देश को लेकर लंबी चर्चा हुई। शंकराचार्य ने सीएम को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। सीएम ने कहा कि भाजपा सनातन और अध्यात्म की दृष्टि से कार्य करती है। साधु संतों का सानिध्य और मार्गदर्शन हमेशा हमें मिलता है। मंगलवार को चुनाव नतीजे आने के बाद देश में दोबारा भाजपा की सरकार बनेगी।

107 साल की है दुनिया की सबसे बुजुर्ग टैटू कलाकार, 92 साल का है अनुभव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 : टैटू आर्टिस्ट के बारे में हम जब भी सोचते हैं, तो हमारे जहन में किसी लंबे बाल वाले नौजवान की या फिर सड़क के किनारे सादे कपड़े में बैठे किसी आदमी की तस्वीर सामाने आती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग टैटू आर्टिस्ट कौन है? रिकॉर्ड के हिसाब से बात करें तो दुनिया की सबसे बुजुर्ग टैटू कलाकार, फिलीपींस के बुस्कलान नामक सुदूर गांव में रहती हैं. उनकी उम्र 100 साल से भी ज्यादा है. हम बात कर रहे हैं, एपो वांग-ओड की जिनकी सोशल मीडिया पर भी चर्चा रहती है.

एपो वांग-ओड को मारिया ओग्गे के नाम से भी जाना जाता है. वे 15 साल की उम्र से ही त्वचा पर हाथ से टैटू बना रही है. वोग के मुताबिक पिछले 16 सालों में ही उनके ग्राहक और उसकी ख्याति कॉर्डिलेरा इलाके से बाहर फैल गई है. उनसे मिलने आज दुनिया भर से हजारों लोग आते हैं, जिनके मन में उन्हीं से कोई यादगार टैटू

बनवाने की ख्वाहिश होती है.लोककथाओं और टैटू मानवविज्ञानी डॉ लार्स क्रुटक द्वारा किए गए इंटरव्यू के अनुसार, वांग-ओड 15 वर्ष की थी जब उसने अपने पिता की सलाह के तहत एक टैटू कलाकार के रूप में अपना काम शुरू किया था. अपने समय की पहली और एकमात्र मांबा तोक महिला, वांग-ओड दूर दूर तक दूसरे गांवों की यात्रा करती थीं। वे पुरुषों पर खास तरह के टैटू बनाती थीं जो उनके योद्धा होने का संकेत हुआ करता था. एक बिक्किंग, कंधों से ऊपर और बाहों के नीचे रेंगने वाले पैटर्न के साथ छाती का टैटू, पूरा होने में कई दिन लग सकते थे और एक बड़े सूअर या कई किलो चावल की लागत आती थी. महिलाएं मुख्य रूप से मुख्य रूप से प्रजनन क्षमता और सौंदर्य के लिए टैटू बनवाती थीं.

वांग-ओड के पति की तब मौत हो गई जब उनकी उम्र में केवल 25 साल की थी. उनकी कोई संतान नहीं थी, फिर भी उन्होंने दोबारा शादी नहीं की. उनका मानना है कि अगर वंश-परंपरा के बाहर कोई व्यक्ति टैटू बनाना शुरू करता है, तो टैटू संक्रमित हो जाएगा. लेकिन वे अब अपने ही समुदाय के लोगों को अपनी कला का प्रशिक्षण देती हैं.

यहां आप नहीं पहन सकते जींस, सरकार ने लगा रखी है पाबंदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : दुनिया में पहनावे के लेकर सबसे ज्यादा अंतर देखने को मिलता है. लेकिन अगर पुरुषों में कोई पहनावा सबसे ज्यादा देशों में पहना जाता है तो वह है जीन्स. इसकी खासियत यह है कि यह गरीब से लेकर अमीर सभी में लोकप्रिय है. ऐसे में यह सोचना भी अजीब लगता है कि जीन्स को किसी देश में बैन भी किया जा सकता है. बहुत से लोग नहीं जानते हैं कि यह सच है. जी हां, दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां जींस पर बैन है और वहां के लोग जींस चाह कर भी नहीं पहन सकते हैं और तो और बैन लगाने की वजह भी कम रोचक नहीं है।

आमतौर पर लोग यह सवाल जब इंटरनेट पर सर्च करते हैं इससे संबंधित एक रोचक सवाल आता है, वह यह है कि क्या किसी देश में नीली जींस पर बैन है? लेकिन जब हमने पड़ताल की तो पाया कि दरअसल एक देश ऐसा है, जहां नीली ही नहीं बल्कि हर तरह की जींस पर पाबंदी है. शायद आपको इस देश का नाम जानकर हैरानी ना हो. इसका नाम उत्तर कोरिया है। उत्तर कोरिया अपने अजीबोगरीब कानूनों को लेकर पहले से ही जाना जाता है . ऐसे में शायद आपको यह जानकर हैरानी ना हुई हो कि उत्तर कोरिया में लोग जींस नहीं पहन सकते हैं, बल्कि जीन्स पहनने पर सजा भी मिलती है. लेकिन ऐसा क्यों है? इस सवाल का जवाब भी कम रोचक नहीं है।

दरअसल, उत्तर कोरिया में नीली जींस, या जींस अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक मानी जाती है. अमेरिका इस देश का कट्टर दुश्मन माना जाता है. इन पर प्रतिबंध लगाकर पश्चिम और अमेरिका के खिलाफ की गई कार्यवाही माना जाता है. वहीं उत्तर कोरिया ने साल 2009 में स्वीडन को जींस निर्यात करने की योजना बनाई थी, ताकि वहां के पब डिपार्टमेंट स्टोर इसे नोको ब्रांड के नाम से बेच सकें. लेकिन दुनिया भर में इसका विरोध इतना हुआ कि यह योजना खटाई में पड़ गई। रोचक बात यह है कि कई लोग मानते है कि उत्तर कोरिया में जींस बनाने की इजाजत तो है, लेकिन उन्हें पहनने की नहीं है. लेकिन यहां के अंदर की सारी जानकारी पूरी तरहे से नियंत्रित होती है. बाहरी दुनिया तक पहुंचने वाली कोई भी जानकारी भी अधूरी हो सकती है. क्योंकि कोई भी इसकी पुष्टि करने की स्थिति में नहीं है. लेकिन प्रचलित जानकारी यही मानी जाती है कि उत्तर कोरिया में जींस पहनने पर पाबंद है.

सुबह सुबह उठने से होते है गजब के फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : सुबह जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनी और बुद्धिमान बनाता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। यह दिमाग, शरीर और आत्मा को तरोताजा करने के साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती।

सुबह जल्दी उठने से शरीर और मन दोनों ही स्वस्थ रहते हैं

सुबह जल्दी उठने से और भी अनेक फायदे हैं या फिर यह कहे कि अनगिनत फायदे हैं। सुबह उठने से हमारा शरीर स्वस्थ और फिट रहता है। सूरज निकलने से पहले उठना बॉडी, माइंड और स्पिरिट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस वक्त उठने से माइंड और बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन पॉजिटिव रहता है। जबकि सूरज निकलने के बाद उठना नेगेटिव ब्लड सर्कुलेशन का कारण बनता है। सूर्योदय से पहले उठने से शरीर और दिमाग फ्रेश रहता है और कब्ज व अपच की समस्या भी नहीं होती। फिर पूरा दिन आपका मूड फ्रेश रहता है। इससे आपकी पावर व कैपेसिटी बढ़ती है, याददाश्त तेज होती है और नजर भी कमजोर नहीं होती। अगर आप जल्दी उठेंगे तो सोएंगे भी

जल्दी ही, जो सेहत के लिए और बेहतर है।

सुबह जल्दी उठने के फायदे अन्य फ़ायदे

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है दुनिया भर में किए गए शोध बताते हैं कि सुबह जल्दी जागना और रात को जल्दी सो जाना हमारे शरीर को पर्याप्त आराम दिलाने में मदद करता है। पर्याप्त नींद कम शारीरिक और मानसिक तनाव के लिए सीधे आनुपातिक है, अगर पर्याप्त नींद मिलती है तो हमारा शरीर खुद को फिर से जीवित करता है।

आउटपुट बेहतर होगा

सुबह जल्दी उठने से शरीर का आलस खत्म होगा। आप काम जल्दी निपटा के ऑफिस पर जल्दी फोकस करेंगे। ऐसे में आपका आउटपुट अच्छा होगा। खुद के लिए वक्त यूं तो सुबह जल्दी उठने के हजारों फायदे हैं, उनमें से एक फायदा है अपने लिए समय निकाल पाना। जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तब आपके पास दिनचर्या शुरू होने से पहले कुछ घंटे होते हैं। इन घंटों को आप खुद को दे सकते हैं।

रात में अच्छी नींद आती है

सुबह जल्दी उठने से आपको रात में अच्छी नींद आती है। इससे आप पर्याप्त नींद लेते हैं। पूरी नींद लेने से मोटापा समेत अन्य बीमारियां नहीं होती है। अच्छी नींद लेने से आपकी त्वचा प्राकृतिक रूप से ग्लो करता है। डाइट हेल्दी रहेगी जल्दी उठेंगे तो दिन में क्या खाना है, इसका प्लान बना सकेंगे। साथ ही ब्रेकफास्ट करने का समय भी होगा। वैसे भी नाश्ते से जो एनर्जी मिलती है, दिन भर की एक्टविटीज इसी पर निर्भर रहती हैं।

अनोखी परंपरा : इस गांव के लोग पागल होने के डर से देते हैं जानवरों की बलि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : आज हम एक ऐसे गांव के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जहां कोई भी मांगलिक कार्य करने से पहले बेजुबान जानवरों की बलि दी जाती है. ऐसी मान्यता है कि अगर कोई भी इस देवस्थान में बली नहीं देता है, तो उसका परिवार पागल हो जाता है या कोई भी अप्रिय घटना उसके परिवार के साथ घट जाती है. यह हम नहीं बल्कि इस गांव में रहने वाले लोग खुद-ब-खुद बयां कर रहे हैं।

हम बात कर रहे हैं चित्रकूट जनपद के भर कुर्रा गांव की. इस गांव का कोई भी व्यक्ति अगर अपने घर में मांगलिक कार्य करता है, तो सब से पहले बड़े देव बाबा के स्थान में जानवरों की बलि दी जाती है. जो ऐसा नहीं करता है मान्यता है कि देव बाबा या तो उसको पागल कर देते हैं, या फिर कोई ना कोई अप्रिय घटना उस परिवार के साथ घट जाती है।

ग्रामीण ने बताया कि जब लड़की या लड़के की शादी होती है. तब यहां जानवर की बलि दी जाती है. उनका कहना है लड़की की शादी के बाद जब लड़की अपने घर आती है, तब इस देव के मंदिर में दहिनवारा के रूप में जानवर की बलि दी जाती है. उन्होंने

बताया जो ऐसा नहीं करता है तो उस परिवार के साथ कोई ना कोई अप्रिय घटना घट जाती है। पूजा न देने पर पूरी बारात हो गई थी पागलउन्होंने बताया कि एक समय की बात है. इस गांव में एक बारात आई हुई थी. उनके द्वारा बड़े देव बाबा में बली नहीं दी गई थी तभी बड़े देव बाबा ने उस बारात में आए सभी लोगो को पागल कर दिया था. उनका कहना है कि यह परंपरा कई पीढ़ी से चली आ रही है. उन्होंने बताया कि यह देव बाबा हमारे गांव की रक्षा भी करते हैं और जो भी हम इनसे सच्चे मन से मांगते हैं, वह हमारी सब मुराद पूरी होती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना से पूर्व राजनीतिक दलों एवं प्रेस प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों और मतगणना परिसर में व्यवस्थाओं की दी जानकारी

चमोली। जनपद में लोकसभा निर्वाचन की मतगणना की तैयारियां प्रशासन की ओर से पूर्ण कर ली गई है। सोमवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने राजनीतिक दलों और प्रेस प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों और मतगणना केंद्र पर व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी दी।

जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में 04 जून को प्रातः 8 बजे से मतगणना का कार्य शुरू होगा। मतगणना के लिए जनपद की प्रत्येक विधानसभा में 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना में ड्रॉ ऑफ लॉट के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा के 5 मतदेय स्थलों की वीवीपैट की पर्चियों की गणना भी की जाएगी। मतगणना कक्ष में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मतगणना केंद्र जाने के लिए प्रवेश पास अनिवार्य है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, संतोष पांडेय, डीपी पुरोहित, कांग्रेस के आनंद सिंह पंवार आदि मौजूद थे।

दूसरी ओर मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि मतगणना के दौरान कवरेज की सुविधा के लिए परिसर में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है। जिसमें प्रेस प्रतिनिधियों को समाचार संकलन की समुचित प्रबंध किए गए हैं। प्रेस प्रतिनिधियों को मीडिया सेंटर तक ही मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति है। मतगणना कक्षा में किसी को भी मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नही होगी। मतगणना का चक्रवार परिणाम नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के साथ लाउडस्पीकर के माध्यम से भी घोषित किया जाएगा। इसके अलावा मतगणना परिसर में स्थापित कंट्रोल रुम से 1950 नम्बर पर संपर्क करके मतगणना के संबंध में जानकारी ली जा सकेगी।

इस मौके वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र रावत, राजपाल बिष्ट, जगदीश पोखरियाल, शेखर रावत, ओम प्रकाश भट्ट, प्रमोद सेमवाल, सुरेंद्र रावत, विनोद रावत, संदीप कुमार, लक्ष्मण राणा, नन्दन बिष्ट, युद्धवीर फरस्वाण, रामसिंह राणा सहित सभी मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

केदारनाथ पहुंचीं सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता, भाई को याद कर हुई इमोशनल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 04 जून : वर्ष 2020 में सुशांत बांद्रा के अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे। सुशांत की बहन श्वेता सिंह आज भी उनकी मौत के केस की जांच की मांग कर रही हैं और पूरा परिवार इंसाफ के इंतजार में हैं। बीते दिन वह केदारनाथ पहुंची ताकि वह उन्हें महसूस कर सके और भोलेनाथ से इन्साफ की गुहार लगाई।सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह अभिनेता के निधन के लगभग चार साल बाद भी उनकी यादों को संजोए हुए हैं। छोटे भाई से जुड़ने की भावना में श्वेता केदारनाथ बाबा के दरबार गईं और उन्होंने उसी अंदाज में पोज दिए, जैसे उनके भाई ने कभी दिए थे। सुशांत अपनी फिल्म 'केदारनाथ' की शूटिंग के दौरान बाबा के दर्शन के लिए दरबार पहुंचे थे और तभी से इस जगह के प्रति उनका एक खास जुड़ाव

हो गया था। बीते दिन वे हेलीकॉप्टर से धाम पहुंची और श्वेता सिंह कीर्ति यहाँ पहुंचकर रो पड़ी। उन्होंने मंदिर परिसर के पीछे दिव्य शिला के नीचे ध्यान भी लगाया और धाम में उस साधु के साथ भी फोटो खिंचवाई, जिसके साथ सुशांत राजपूत ने वर्ष 2016 में 'केदारनाथ' फिल्म की शूटिंग के दौरान धाम में फोटो खींचा था।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने सोमवार को सचिवालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपनी मांगों पर कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई। इस पर मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव वित्त आनंद बर्द्धन को कर्मचारियों से वार्ता कर समस्याओं का हल निकालने के निर्देश दिए। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरुण पांडे व महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने मुख्य सचिव से मुलाकात के दौरान कहा कि शासन स्तर पर वार्ता और सहमति के बावजूद उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि बार बार बैठकों के बावजूद समस्याओं का कोई हल नहीं निकल पा रहा है। इस पर मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव वित्त को परिषद के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित मांगों के समाधान के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव से मुलाकात के दौरान परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि एसीपी के तहत प्रमोशन न पाने वाले कर्मचारियों का ब्योरा उपलब्ध हो गया है। ऐसे में जल्द कर्मचारियों के प्रमोशन किए जाएं। वेतन समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। प्रमोशन में शिथलीकरण की व्यवस्था को पहले की तरह बहाल किया जाए। गोल्डन कार्ड के तहत ओपीडी व दवा केंद्रों में कैशलेस इलाज की सुविधा। साथ ही सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा शुरू हो। सरकारी कार्यों के लिए 5400 ग्रेड वाले कर्मचारियों को हवाई जहाज में यात्रा की सुविधा दी जाए। वाहन भत्ता बढ़ाकर प्रतिमाह 1200 रुपए से 2500 किया जाए।

उत्तराखंड : टोल-टैक्स 5 से 10% बढ़ा टोल प्लाजा पर लागू हुई नई दरें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 जून : बीते दिन से देशभर के साथ ही उत्तराखंड में भी सभी टोल प्लाजा पर टोल टैक्स की दर बढ़ चुकी है। वाहनों को अब टोल प्लाजा पर पहले से 10 रुपये अधिक चुकाने होंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक पीएस गुंसाई ने बताया कि पूरे देश में टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। देश के सभी टोल प्लाजा पर बढ़ी हुई दरें 2 जून की रात से लागू हो गयी हैं।

इसके बाद राजधानी देहरादून से वाया भगवानपुर रुड़की से होकर दिल्ली पहुंचने वाले वाहनों को भगवानपुर स्थित टोल प्लाजा पर करीब पांच रुपये अधिक टोल टैक्स चुकाना होगा।वहीं दूसरी तरफ देहरादून से हरिद्वार जाने के लिए सभी वाहनों को करीब 10 रुपये टोल टैक्स अधिक चुकाना पड़ेगा। हरिद्वार से दिल्ली की ओर

जाने वाले वाहनों को करीब 10-10 रुपये अधिक चुकाने होंगे।देहरादून से हरिद्वार जाने के लिए सभी वाहनों को करीब 10 रुपये टोल टैक्स अधिक चुकाना पड़ेगा। हरिद्वार से दिल्ली की ओर 10-10 रुपये अधिक चुकाने होंगे। इस तरह वाहनों को रास्ते में पड़ने वाले टोल प्लाजो पर कहीं 10 रुपये तो कहीं 5 रूपये अधिक टोल टैक्स देना होगा। हरिद्वार से दिल्ली जाने के रूट पर बहादराबाद में पड़ने वाले टोल पर भी हर वाहन को 10 रुपये अधिक टोल टैक्स चुकाना पड़ेगा। इस तरह 4-5 टोल बूथ से गुजरने के बाद दिल्ली पंहुचने तक लगभग 40-50 रूपये अधिक टैक्स कटेगा।

टटासू गदेरे में फिल्टर न होने से लोग दूषित पानी पीने को मजबूर

चमोली। निर्माण के बाद से ही बरसात में फिल्टर के बह गया था। उसके बाद फिल्टर नहीं लगाया गया। सीधे गदेरे से नलों में दूषित पानी आ रहा है। जिससे दूषित पानी पी रहे करीब दो हजार से अधिक लोगों को जल जनित बीमारियों का खतरा बना है। कहा कि, लोग पानी को कपड़े से छानकर पीने को मजबूर हैं। गदेरे में फिल्टर न होने से पानी में छोटे कीड़े आ रहे हैं। गदेरे में टैंक की सफाई व कीटनाशक का प्रयोग नहीं किया गया है। उन्होंने जल्द पेयजल के टैंक पर फिल्टर लगाकर टैंक की सफाई करने की मांग उठाई है। वहीं, जल संस्थान के जेई जेएस बिष्ट का कहना है कि टैंक पर फिल्टर लगाने के लिए पत्राचार किया गया है।

तलवाड़ी स्टेट में पेयजल संकट

चमोली। तलवाड़ी स्टेट में सोमवार को पेयजल संकट को लेकर प्रधान दीपा देवी के नेतृत्व में बैठक हुई। बैठक में लोगों ने निर्माणाधीन हर घर जल योजना की जांच करने की मांग उठाई है। सोमवार को आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि सराखोली पेयजल योजना, कुला गैर पेयजल योजना ठेकेदार तथा विभाग की लापरवाही के कारण बनने से पहले ही दम तोड़ती दिखाई दे रही है। ग्रामीण वीरेंद्र सिंह, भानु रावत, गजेंद्र सिंह, खिलाप सिंह रावत ने कहा कि बिना पेयजल समिति के संज्ञान में लाए हुए विभाग द्वारा पुराने स्रोत के ऊपर से नए स्रोत टेप कर दिया गया है, जिसके चलते पुरानी लाइनों में पानी बंद हो गया है। लोगों ने जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है। इस अवसर पर गोपाल सिंह , महिपाल सिंह बिष्ट, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुभाष पिमोली, आनंद सिंह बिष्ट, बलवत सिंह रोथान, त्रिलोक सिंह बोरा, भरत बोरा बिष्ट, आशु बिष्ट, गजेंद्र रावत, दीपू रावत,भरत सेजवाल, विक्की रावत, बलवंत सिंह रावत, बलवंत सिंह बिष्ट, भगोत सिंह बिष्ट, दर्शन सिंह रावत, रणजीत सिंह सेजवाल,वच्ची सिंह रावत, पुष्कर सिंह शाह, शकुंतला बोरा बिष्ट, गजेंद्र रावत, राकेश सेजवाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

पिथौरागढ़ : 4 पहाड़ी भाईयों की 500 साल पुरानी कहानी, हिलजात्रा. यूनेस्को की धरोहर में होगी शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 04 जून : हिलजात्रा को यूनेस्को की धरोहर में शामिल कराने का प्रयास जारी है। अल्मोड़ा संस्कृति विभाग की तरफ से जीबी पंत राजकीय संग्रहालय ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत सर्वप्रथम हिलयात्रा के इतिहास को खंगाला जाएगा और संस्कृति विभाग इसपर एक डाक्यूमेंट्री को तैयार करेगा।

उत्तराखंड के पहाड़ों में लोकपर्व धार्मिक आस्था और संस्कृति का प्रतीक होते हैं। जिनमें से कुछ ऐसे पर्व होते हैं जो खुद में विशेष महत्व रखते हैं। इसी प्रकार सोरघाटी (पिथौरागढ़) में मनाया जाने वाला ऐतिहासिक लोकपर्व 'हिलजात्रा' उनमें से एक है, जो अन्य कहीं भी देखने को नहीं मिलता है। इस पर्व को विशेष बनाता है उसमें प्रयुक्त मुखौटों का इतिहास, जो लगभग 500 साल पुराना है। इन मुखौटों को नेपाल के राजा ने पिथौरागढ़ के कुमौड़ गांव

में रहने वाले चार महर भाईयों को उनकी वीरता के प्रतीक के रूप में दिया था। जिसके बाद से ही पिथौरागढ़ में इन मुखौटों का उपयोग कर यहां हिलजात्रा नाम से उत्सव शुरू हुआ तभी से पिथौरागढ़ की सोरघाटी में ये पर्व बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है।

हिलजात्रा को यूनेस्को की धरोहर में शामिल कराने के लिए प्रयास शुरू हो चुका है, अल्मोड़ा संस्कृति विभाग की तरफ से जीबी पंत राजकीय संग्रहालय ने इस योजना का काम शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत, पिथौरागढ़ के प्रमुख जगहों पर आयोजित होने वाली हिलजात्रा के इतिहास का अध्ययन किया जाएगा। फिर इसके पीछे धार्मिक, पारंपरिक, सांस्कृतिक, सामाजिक पहलुओं को शामिल करते हुए एक डॉक्यूमेंट्री तैयार की जाएगी और इन अनूठी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को यूनेस्को की धरोहर में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। इसके बाद यह संगीत नाट्य अकादमी दिल्ली को भेजा जाएगा, फिर वहां से संस्कृति मंत्रालय को भेजा जाएगा। संस्कृति मंत्रालय प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगा। फिर मंत्रालय स्तर पर यूनेस्को की धरोहर में शामिल करने के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इनो पीने वाले ज़रूर पढ़ें ये रोचक खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : घर पर जब भी किसी को पेट में दर्द या एसिडिटी की समस्या होती है, तो सबसे पहले हम ईनो ढूंढते हैं. क्योंकि अधिकांश लोगों को इनो से तुरंत आराम मिलता है. लेकिन सवाल ये है कि आखिर इनो तो कंपनी का नाम है, लेकिन इनो के अंदर कौन सा पाउडर होता है, जिससे तुरंत आराम मिलता है. आज हम आपको बताएँगे कि इनो के अंदर कौन सा पाउडर होता है.

ENO में जो पाउडर होता है उसका क्या नाम है ?

पेट दर्द और गैस में ईनो पाउडर पीने से तुरंत आराम मिलता है. ये कौन सा पाउडर है, जिसको पीने से तुरंत राहत मिलता है. बता दें कि ये पाउडर सिट्रिक एसिड सोडियम बाई कार्बोनेट यानी बेकिंग सोडा का मिश्रण होता है. यही कारण है कि जैसे ही यह मिश्रण (पाउडर) पानी के संपर्क में आता है, सिट्रिक एसिड और सोडियम बाई कार्बोनेट एक दूसरे से मिलते हैं और इससे सोडियम सिट्रेट और कार्बन डाइऑक्साइड गैस का जन्म होता है.

वहीं कार्बन डाइऑक्साइड को पानी के अंदर सोडियम सिट्रेट के साथ रहना पसंद नहीं है. इसलिए वह फटाफट बाहर निकलने की कोशिश करता है.वहीं पानी और सोडियम सिट्रेट का मिश्रण उसे बर्तन में बनाए रखने की कोशिश करता है. यही कारण है कि ईनो पाउडर को पानी में डालने के बाद तेजी से बुलबुले बनते हैं और फूटने लगते हैं. इसके अलावा इनो पीने के बाद जो डकार आती है, वह कार्बन डाइऑक्साइड गैस के कारण ही आती है.

कई काम आता है ईनो

बता दें कि ईनो सिर्फ गैस की समस्या के लिए नहीं होता है. बल्कि ये कई अन्य काम भी आता है. घरों में इसका प्रयोग कुकिंग से लेकर साफ-सफाई के लिए भी किया जाता है. जैसे घर में केक, इडली बनाने के लिए

भी ईनो का इस्तेमाल करते हैं. क्योंकि ये आपकी खाने की सामग्री को नरम बनाने में मदद करता है.

ज्वेलरी की सफाई के लिए भी ईनो का इस्तेमाल होता है. इसके लिए आपको एक बाउल में गर्म पानी लेकर और उसमें एक पाउच ईनो डालना होता है. अब जब इस पानी में ज्वेलरी डालकर 15 मिनट के लिए उसे पानी में ही रहने देना होगा. फिर ईनो के पानी से ज्वेलरी को बाहर निकालकर साफ पानी से धोना होगा. इसके बाद ज्वेलरी चमकती हुई दिखेगी.

ये है एयरहोस्टेस का रोचक अनुभव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : First Air Hostess फ्लाइट में सफर के दौरान यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने के लिए कुछ क्रू सदस्यों को रखा जाता है। अगर आपने कभी फ्लाइट में सफर किया है तो आपने गौर किया होगा कि ज्यादातर फ्लाइट अटेंडेंट महिलाएं ही होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा शुरुआत से नहीं था? दरअसल शुरुआती समय में विमानों में यात्रियों के लिए पुरुष अटेंडेंट रखे जाते थे। कुछ समय बाद महिलाओं को भी इसका हिस्सा बनाया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि शुरुआती समय में केवल नर्सों को ही एयर होस्टेस बनाया जाता था। आइए जानते हैं कि इसके पीछे की वजह क्या है।पुरुष अटेंडेंट के जमाने में एक नर्स ने अपने तर्कों से एक विमान कंपनी को प्रभावित किया कि विमान यात्रियों के लिए सबसे बेहतरीन फ्लाइट अटेंडेंट एक नर्स हो सकती है। तब से यह तर्क इतना हिट हो गया कि शुरुआती दौर में केवल नर्सों को ही एयर होस्टेस बनाया जाता था।

कौन थी पहली महिला एयर होस्टेस ?

पहली एयर होस्टेस की पोशाक की बात की जाए तो, 1930 में चर्च को नौकरी मिलने पर उन्होंने नर्स वाली पोशाक में ही फ्लाइट अटेंडेंट के तौर पर काम करना शुरू किया। यही वजह

है कि आज भी एयर होस्टेस और नर्सों की पोशाक काफी मिलती है। दुनिया की पहली महिला एयर होस्टेस की बात की जाए तो ये 25 वर्षीय एलेन चर्च थीं, जो बेहतरीन नर्स थीं और साथ ही एक पायलट भी थीं। उस समय कामर्शियल विमानों में पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट के तौर पर महिलाओं के लिए जगह थी। दोनों ही काम पुरुषों के काबिल ही माने जाते थे। लोगों का मानना था कि ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्य महिलाओं के बस की बात नहीं है, लेकिन एलेन चर्च ने इस मानसिकता को बदलने में पहला कदम उठाया था।

विमान कंपनी को पसंद आया नर्स का तर्क : एलेन चर्च इस पेशे में आना चाहती थीं, इस उद्देश्य से वह अमेरिका के यूनाइटेड एयरलाइंस के मुख्यालय में पहुंचीं। वहां चर्च ने पायलट पद के लिए विमान अधिकारियों से मुलाकात की, लेकिन इसके लिए उन्हें साफ इनकार कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के सामने अपने तर्क पेश किए कि एक नर्स विमान में फ्लाइट अटेंडेंट के तौर पर कितनी जरूरी और बेहतर है। यात्रा के दौरान किसी बीमारी की सूरत में वह यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधा दे सकेंगी। चर्च के तर्क विमान कंपनी को काफी पसंद।

गाड़ियां हड़पने वाले कंजूस रईस के बदनाम किस्से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : 1947 में जब देश आजाद हुआ तब हैदराबाद के निजाम मीर उस्मान अली भारत के सबसे अमीर शख्स थे. उस वक्त उनकी कुल संपत्ति 17.5 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी. निजाम के पास 20 लाख पाउंड से ज्यादा तो सिर्फ कैश था. इसके अलावा बेशुमार हीरे, मोती, सोना और जवाहरात थे. उन्हें आजाद भारत का पहला अरबपति भी कहा गया. इतना कुछ होने के बावजूद निजाम अपनी कंजूसी के लिए बदनाम थे. निजाम की कंजूसी का आलम ये था कि वो लोगों की जूठी सिगरेट तक नहीं छोड़ते थे.

बुझी सिगरेट तक पी जाते थे

इतिहासकार डोमिनिक लापियर और लैरी कॉलिन्स अपनी मशहूर किताब "फ्रीडम ऐट मिडनाइट" (Freedom at Midnight) में लिखते हैं कि मीर उस्मान अली अपनी कंजूसी के लिए बदनाम थे. उनके घर कोई मेहमान आता और अपनी बुझी सिगरेट छोड़ जाता तो निजाम ऐशट्रे से वह जूठी और बुझी सिगरेट उठाकर पीने लगते. अपने पास सबसे सस्ती सिगरेट रखा करते थे. वह भी यदा-कदा ही जलाते.

वायसराय को नहीं पिलाई शैंपेन

लापियर और कॉलिन्स अपनी किताब में एक और दिलचस्प किस्सा लिखते हैं, जो साल 1944 का है. लॉर्ड वेवेल वायसराय की हैसियत से हैदराबाद आने वाले थे. निजाम के सलाहकारों ने उनसे कहा कि वायसराय की खातिरदारी में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए, लेकिन निजाम ने ऐसी हरकत की जिससे सब दंग रह गए. उन्होंने खास तौर से दिल्ली एक तार भिजवाया और पूछा कि क्या वायसराय की मेहमान नवाजी में शैंपेन जरूरी है? इतनी महंगाई में शैंपेन पिलाना उचित होगा? एक और मौके पर नवाब ने शाही भोज का आयोजन किया और उन्हें मजबूरी में खाने की टेबल पर शैंपेन रखना पड़ा. उन्होंने सिर्फ एक बोतल रखवाई और इस बात पर कड़ी नजर रखी कि वह बोतल तीन-चार मेहमानों से आगे न जा पाए.

कीचड़ में खड़े रहते थे सोने से लदे ट्रक

मशहूर इतिहासकार डोमिनिक लापियर और लैरी कॉलिन्स अपनी किताब "फ्रीडम एट मिडनाइट" में लिखते हैं कि हैदराबाद के निजाम के पास इतना सोना था कि उनके बाग में सोने की ईंट से भरे दर्जनों ट्रक कीचड़ में जहां-तहां खड़े रहते थे. इन ट्रकों का वजन इतना ज्यादा होता कि उनके पहिए धंस चुके थे. निजाम के महल में हीरे जवाहरात कोयले के टुकड़े की तरफ जहां तहां बिखरे रहते. उस जमाने में उनके पास इतने मोती थे कि चाहते तो लंदन के मशहूर पिकैडली सर्कस के सारे फुटपाथ उससे ढंक देते.हैदराबाद के लोग आज भी दावा करते हैं कि निजाम ने 1965 में भारत और चीन की लड़ाई के दौरान 5000 किलो सोना सरकार को दान किया था. उन्होंने बस एक गुजारिश की थी कि जिन बक्सों में सोना भिजवाया था, सरकार उसे लौटा दे. बहरहाल, इस बात के कोई पुख्ता सबूत नहीं मिलते हैं कि निजाम ने इतना सोना नेशनल डिफेंस फंड में दान दिया था.

क्या आप जानते हैं रुपये की कहानी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : पैसा बनाने वाला पहला व्यक्ति का निर्दिष्ट नाम नहीं है, क्योंकि पैसे का उत्पादन एक व्यक्ति द्वारा नहीं किया जाता है, बल्कि वह एक सामाजिक और आर्थिक प्रक्रिया है। पैसे या मुद्रा का उत्पादन समाज की आवश्यकताओं और व्यापारिक प्रवृत्तियों के परिणामस्वरूप होता है। प्राचीन समय से ही लोगों ने विभिन्न प्रकार के धन और मुद्रा का उपयोग किया है, जैसे कि धातु के सिक्के, चांदी, और अन्य वस्तुओं का उपयोग व्यापार और विनिमय के लिए। धन का उत्पादन और प्रबंधन समृद्धि और व्यापार के विकास के साथ साथ बढ़ा, और इसका उपयोग विभिन्न समाजों और सभ्यताओं में विशाल रूप से हुआ

भारत का प्रथम सिक्का क्या था ?

भारत का प्रथम सिक्का मौर्य साम्राज्य के शासक चंद्रगुप्त मौर्य के समय में जारी किया गया था। इस सिक्के को सामान्यतः पंचाल थे, जो कि चंद्रगुप्त मौर्य के प्रादेशिक साम्राज्य का नाम था। इस सिक्के पर अक्षरों में चंद्र और बुल्लक का प्रतिष्ठान होता था। चंद्रगुप्त मौर्य के सिक्के चांदी के बने होते थे और उनमें विभिन्न छवियाँ और चिह्न थे जैसे कि हाथी, उड़ते हुए गधा, चंद्रमा, इत्यादि।

ये सिक्के प्राचीन भारतीय मुद्रा के प्रारंभिक रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी स्वतंत्र राष्ट्रीय मुद्रा को शुरू किया, जिसे पहले रुपया कहा जाता था। भारत का रुपया (₹) आधिकारिक मुद्रा है और इसकी विभिन्न संख्यात्मक मूल्य और नोट जारी की गई है।

भारतीय मुद्रा का इतिहास बहुत प्राचीन है और इसमें विविधता है। भारतीय मुद्रा का प्रारंभिक उपयोग प्राचीन काल में हुआ था, जब विभिन्न राजाओं और साम्राज्यों ने स्वयं की मुद्रा जारी की थी। इसके बाद कई साम्राज्यों ने अपनी मुद्राओं का उत्पादन और उपयोग किया, जैसे कि गुप्त, मौर्य, चोल, मुगल आदि। यहां कुछ मुख्य घटनाएं भारतीय मुद्रा के इतिहास को संक्षेप में दिखाती हैं । गुप्त साम्राज्य के समय में भारत में सोने और चांदी के सिक्के जारी किए गए थे।

ये सिक्के गुप्त साम्राज्य की शक्ति और सांस्कृतिक उत्थान को दर्शाते हैं। मौर्य साम्राज्य (3वीं से 2वीं सदी ईसा पूर्व): मौर्य साम्राज्य में पहले भारतीय सिक्के जारी किए गए थे जिनमें चांदी के सिक्के अधिक थे। मुगल साम्राज्य (16वीं से 19वीं सदी): मुग़ल साम्राज्य के समय में सोने के सिक्के जारी किए गए थे जिनमें शासक की छवि और अलंकरण शामिल थे।

तय रूट पर निकलेगा विजय प्रत्याशी का जुलूस

देहरादून। मंगलवार को राज्य की पांच लोकसभा सीटों पर होने वाली मतगणना के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। सोमवार को एडीजी प्रशासन अमित सिन्हा ने सभी जनपद प्रभारियों की वीसी से बैठक लेकर जरूरी निर्देश दिए। एडीजी ने कहा कि ड्यूटी पर जाने से पहले सभी पुलिसकर्मियों को सही से ब्रीफ कर दिया जाए। इसके अलावा सभी मतगणना स्थलों पर चुनाव आयोग के निर्देशानुसार त्रीस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जाए। ये भी निर्देश दिए कि मतगणना स्थल पर प्रवेश व निकास द्वार पर चैकिंग जरूरी की जाए। ताकि बिना पास के कोई अंदर बाहर ना कर सके। यातायात प्लान तैयार कर इसका प्रचार-प्रसार किया जाय तथा पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाय। जिससे की जाम की स्थिति ना बने। मतगणना समाप्ति के बाद विजय जुलूस का रूट निर्धारित करते हुये उचित पुलिस बल सुरक्षा के बीच जुलूस निकलवाया जाए। बैठक में डीआईजी पी रेणुका देवी और एसपी कानून व्यवस्था सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

पौड़ी। शहर के लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास सोमवार को झगड़ा कर हुड़दंग कर रहे 5 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की है। कोतवाल एनके भट्ट ने बताया कि धार्मिक व पर्यटन स्थलों में हुड़दंग करने वाले, गंदगी फैलाने वाले व मादक पदार्थों का सेवन कर लोक शांति को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगतार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास झगड़ा कर हुड़दंग कर रहे शैलेंद्र सिंह नेगी, अंकुर रावत, सरजल, राहुल, राहुल राज के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

पौड़ी पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गैंग के ठग को भेजा जेल

पौड़ी। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि बीती 3 मई को एक व्यक्ति ने कोतवाली पौड़ी पर शिकायती पत्र दिया। शिकायती पत्र में बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा व्हाट्सऐप पर वीडियो कालिंग की गई। इसके बाद उक्त व्यक्ति वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। उसके खिलाफ राजस्थान में एफआईआर दर्ज होने की बात कही। डरा धमकाकर और धोखाधड़ी कर उससे 4.20 लाख की धनराशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा दी।

शिविर में योग की क्रियाएं सिखाई

पौड़ी। सोमवार को जिला कारागार खांडयूंसैंण पौड़ी में आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योग प्रशिक्षक सुनील कुमार और सुदर्शन बिष्ट ने पुरुष बंदियों को और प्रमिला रावत व आशा रावत ने महिला बंदियों को मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक और नैतिक स्वास्थ्य को बनाने की कई तकनीकें सिखाई।

श्रद्धालु नंगे पैर क्यों करते हैं वृन्दावन की परिक्रमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : वृंदावन में हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान कृष्ण की लीला स्थल और मंदिरों के दर्शन करने आते हैं. इसके साथ ही कई श्रद्धालु वृंदावन की परिक्रमा भी लगाते हैं, जिसका ब्रज में बेहद महत्व माना जाता है. लेकिन, कई लोगों को इस बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है कि वृंदावन की परिक्रमा कब और कैसे लगानी चाहिए.वैसे तो हर कोई जब भी मंदिर जाता है, तो दर्शन करने के बाद यहां परिक्रमा जरुर लगाता है. लेकिन वृंदावन में सिर्फ मंदिरों की ही नहीं, बल्कि पूरे वृंदावन क्षेत्र की परिक्रमा लगाने का महत्व है. मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने वृंदावन की पावन धरती पर अपनी लीलाएं की और उनके चरणों का राज आज भी वृंदावन में मौजूद है. इस बारे में जानकारी देते हुए मथुरा के पंडित विकास शर्मा ने बताया कि वृंदावन की परिक्रमा लगाने से आप वृंदावन क्षेत्र में मौजूद हर मंदिर, वृक्ष और ब्रजवासियों को प्रणाम कर उनकी भी परिक्रमा लगाते हैं. क्योंकि कृष्ण की लीला में इन सभी का बेहद महत्व माना जाता है.

सभी तीर्थों की परिक्रमा का प्राप्त होता है फल

पंडित बताते हैं कि परिक्रमा लगाते समय कई छोटी चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है. वैसे तो वृंदावन की परिक्रमा 5 कोस यानी करीब 15 किलोमीटर की मानी जाती है. वृंदावन की परिक्रमा को परिक्रमा परिधि से कही भी शुरू किया जा सकता है. जहां से भी इस परिक्रमा को शुरू किया जाता है. सबसे पहले उसी स्थान को प्रणाम कर ब्रज राज माथे पर लगा कर परिक्रमा शुरू की जाती है. उसी स्थान पर आकर समाप्त भी करनी होती है.

परिक्रमा लगाने से जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान : इसके साथ ही परिक्रमा को बिना जूते-चप्पल और बिना किसी वाहन की सहायता से ही लगाना चाहिए. वैसे तो वृंदावन की परिक्रमा लगाने कोई दिन या समय निर्धारित नहीं है. लेकिन, एकादशी के समय परिक्रमा लगाने से भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं. क्योंकि, एकादशी को भगवान विष्णु का सबसे प्रिय दिन भी माना जाता है. इसके साथ पूरे परिक्रमा में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए. परिक्रमा के दौरान अधिक भूख लगने पर सिर्फ फलों का सेवन करना चाहिए. हालांकि, परिक्रमा खत्म होने के बाद आप किसी भी प्रकार का भोजन ग्रहण कर सकते हैं.

हवाई जहाज की परछाई क्यों नहीं बनती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : धरती पर मौजूद किसी भी चीज पर अगर प्रकाश पड़ता है तो उसकी एक परछाई बन जाती है. विज्ञान की भाषा में कहें तो पृथ्वी पर मौजूद हर उस चीज की परछाई बनती है, जिसमें द्रव्यमान होता है यानी जो अपारदर्शी होती है. वस्तु की साइज के हिसाब से ही उसकी परछाई भी बनती है यानी छोटी चीज की परछाई छोटी और बड़ी चीज की बड़ी होती है. हालांकि, प्रकाश के एंगल को बदल कर आप परछाई को वस्तु से बड़ा भी कर सकते हैं.

हवाई जहाज की परछाई

आपने गौर किया होगा कि दिन में जब कभी आसमान में प्लेन उड़ता है तो उसकी परछाई धरती पर नहीं बनती. ऐसे में सवाल उठता है कि द्रव्यमान तो प्लेन का भी होता है और आसमान में उड़ते समय इस पर भी सूरज की रौशनी पड़ती है फिर ऐसा क्यों होता है कि इसकी परछाई धरती पर नहीं बनती?

हवाई जहाज जब जमीन पर होता है तो उसकी परछाई आप आसानी से देख पाते हैं. लेकिन आसमान में उड़ने के बाद ऐसा नहीं होता. एक्सपर्ट इसके लिए प्रकाश के विवर्तन को जिम्मेदार बताते हैं. इसे ऐसे समझिए, जब प्रकाश सीधी रेखा में चलता है और किसी नुकीले सिरे से टकराता है तो किनारों पर से प्रकाश की किरणें थोड़ा सा मुड़ जाती हैं और प्रकाश का इस तरह मुड़ना ही 'प्रकाश का विवर्तन' कहलाता है.

पतंग की परछाई भी नहीं दिखती

ऐसा नहीं है कि सिर्फ हवाई जहाज की ही परछाई नहीं दिखती. आसमान में जब पतंग बहुत ऊंचाई पर उड़ता है तो उसकी भी परछाई हमें जमीन पर नहीं दिखाई देती. इसके लिए भी प्रकाश का विवर्तन ही जिम्मेदार होता है. हालांकि, जब आपकी पतंग एक तय ऊंचाई से नीचे होती है तो उसकी परछाई आप आसानी से जमीन पर देख सकते हैं. लेकिन इस परछाई का आकार पतंग की साइज और प्रकाश के एंगल पर निर्भर करता है.

अनोखी परंपरा : लड़की पर डाला रंग तो करनी पड़ेगी शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : हमारी-आपकी होली भले ही संपन्न हो गई हो, लेकिन झारखंड के संथाल आदिवासी बहुल गांवों में पानी और फूलों की 'होली' का सिलसिला अगले कई रोज तक जारी रहेगा। संथाली समाज इसे बाहा पर्व के रूप में मनाता है। यहां की परंपराओं में किसी पुरुष को इजाजत नहीं है कि वह किसी कुँवारी लड़की पर रंग डाले। इस समाज में रंग-गुलाल लगाने के खास मायने हैं। अगर किसी युवक ने समाज में किसी कुँवारी लड़की पर रंग डाल दिया तो उसे या तो लड़की से शादी करनी पड़ती है या भारी जुर्माना भरना पड़ता है।

कुछ गांवों में बाहा पर्व होली के पहले ही मनाया जा चुका है तो कुछ गांवों में यह होली के बाद अलग-अलग तिथियों में मनाया जाता है। बाहा का मतलब है फूलों का पर्व। इस दिन संथाल आदिवासी समुदाय के लोग तीर धनुष की पूजा करते हैं। ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरकते हैं और एक-दूसरे पर पानी डालते हैं। बाहा के दिन पानी डालने को लेकर भी नियम है। जिस रिश्ते में मजाक चलता है, पानी की होली उसी के साथ खेली जा सकती है। यदि किसी भी युवक ने किसी कुंवारी लड़की पर रंग डाला तो समाज की पंचायत लड़की से उसकी शादी करवा देती है।

अगर लड़की को शादी का प्रस्ताव मंजूर नहीं हुआ तो समाज रंग डालने के जुर्म में युवक की सारी संपत्ति लड़की के नाम करने की सजा सुना सकता है। यह नियम झारखंड के पश्चिम सिंहभूम से लेकर पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी तक के इलाके में प्रचलित है। इसी डर से कोई संथाल युवक किसी युवती के साथ रंग नहीं खेलता। परंपरा के मुताबिक पुरुष केवल पुरुष के साथ ही होली खेल सकता है।

पूर्वी सिंहभूम जिले में संथालों के बाहा पर्व की परंपरा के बारे में देश प्राणिक मधु सोरेन बताते हैं कि हमारे समाज में प्रकृति की पूजा का रिवाज है। बाहा पर्व में साल के फूल और पत्ते समाज के लोग कान में लगाते हैं। उन्होंने बताया कि इसका अर्थ है कि जिस तरह पत्ते का रंग नहीं बदलता, हमारा समाज भी अपनी परंपरा को अक्षुण्ण रखेगा।

साभार गूगल

भाग जाती है लड़की कुंवारों मत करना ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : दुनिया में ऐसे बहुत से गांव हैं, जो किसी न किसी वजह से मशहूर हैं. इन गांवों के बारे में जब आप जानेंगे तो हैरान हुए बिना नहीं रहेंगे. ऐसे में आज हम बिहार के एक गांव की कहानी के बारे में बताएंगे, जहां पता बताते ही शादी के लिए आए रिश्तेदार भाग जाते हैं और शाम को फोन पर आता है मैसेज की रिश्ता नहीं हो पाएगा. वहीं गांव के लोगों का कहना है कि यहां लड़का और लड़की की शादियां नहीं हो पाती हैं. जानें आखिर ऐसा क्यों है?

बिहार के इस गांव के लड़कों की नहीं होती है शादी

बिहार में बेगूसराय जिला मुख्यालय से तकरीबन 10 किलोमीटर दूर मटिहानी प्रखंड के बलहपुर पंचायत में 350 से ज्यादा परिवार रहते हैं. गंगा किनारे बसे होने की वजह से 1992 में ही इस गांव का अस्तित्व गंगा के कटाव की वजह से समाप्त होता चला गया. आज पूरे गांव की आबादी मटिहानी लखमिनिया बांध पर आ बसी है. स्थानीय कई लोगों ने बताया कि 1992 से ही हम लोगों के पास ना खाने का ठिकाना और न रहने के लिए घर है. इस वजह से यहां अगर गलती से कोई रिश्ता लेकर आ भी जाता है, तो रिश्तेदारों को नाश्ता करवाने के बाद शाम को फोन पर मैसेज आ जाता है कि हम आपके यहां रिश्ता नहीं करेंगे.

शादी के लिए छुपाना पड़ता है अपना एड्रेस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गांव की अमरावती देवी ने बताया कि मेरा 32 साल का लड़का है. शादी के लिए कोई लड़की वाले तैयार नहीं होती है. रामचंद्र पंडित ने बताया कि रिश्ते के लिए लोग आते हैं, तो तीन चार हजार तक खर्च भी इस उम्मीद में करते हैं कि रिश्ता फाइनल हो जाएगा. लेकिन देर शाम मैसेज भेजते हैं कि आपके यहां रिश्ता नहीं करेंगे. सुमित्रा देवी ने बताया कि 25 साल से लेकर 30 साल तक के लड़के-लड़की दोनों अब तक कुंवारे हैं. यहां के लोगों का कहना है कि जहां न ठहराता है लोटा, वहां कैसे रहेगी दुल्हन. इस गांव के रहने वाले सुरेश ने बताया कि मैंने अपना एड्रेस छुपाकर, दूसरे गांव में रहकर 3 साल पहले शादी की थी. यहां के लोगों की शादी अपना एड्रेस छुपाने पर ही हो पाती है.

हम क्यों समझते हैं पिंक को लेडीज़ कलर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : अक्सर पिंक कलर को लड़कियों के कलर से जोड़कर देखा जाता है. कई बार कहा भी जाता है कि पिंक कलर लड़कियों का कलर है. ऐसे में हर बार आपके मन में ये सवाल उठता होगा कि आख़िर पिंक कलर को लड़कियों का कलर बनाया किसने और कैसे धीरे-धीरे लड़कियों का कलर कहा जाने लगा? तो बता दें कि इसके तार हिटलर से जुड़ी है. चलिए इसका इतिहास जानते हैं.बात पहले विश्व युद्ध की है. साल 1914 का दौर था. एक तरफ़ फ्रांस की सेना थी तो वहीं ब्रिटिश नर्सों की वर्दी भी नीली थी. उस वक्त लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए नीला ही रंग था.

बात हिटलर के नाजी जर्मनी की है. बंदियों को रखने वाले 'कंसंट्रेशन कैंप' में पहचान के लिए लोगों को अलग-अलग चिन्ह दिए जाते थे. उस समय यहूदियों को 'यलो स्टार' तो वहीं होमोसेक्सुअल्स को पिंक ट्रायंगल दिया गया. बस फिर क्या था इसके बाद से गुलाबी रंग को होमोसेक्सुअलिटी से जोड़ा जाने लगा. कहा

ये भी जाने लगा कि ये गैर मर्दों की पहचान है. इस सब के बारे में कंसंट्रेशन कैंप सर्वाइवर हाइंज हीगर बुक किताब 'द मेन विथ द पिंक ट्रायंगल' में डिटेल में बताते हैं. इसके बाद पिंक कलर मर्दों से दूर होता गया और इसे लड़कियों का कलर माना जाने लगा.

कहानियां और भी हैं

पिंक कलर से जुड़ी कहानियां और भी हैं. जैसे कहा जाता है कि 1953 में अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइज़नहावर की पत्नी मेमी एक फ़ंक्शन में पिंक कलर की ड्रेस और नेकलेस पहनकर गई थीं, जो काफ़ी पॉपुलर हुई थी. मेमी ज्यादातर पिंक ही पहना करती थीं. उन्हें कई महिलाएं फ़ॉलो भी करती थीं. इसके बाद भी पिंक कलर महिलाओं से जुड़ गया. साथ ही फ़िल्मों और एडवरटाइजमेंट में भी लड़कियों को पिंक कलर में दिखाया जाने लगा. जिसके बाद ये ख़ास पॉपुलर हो गया था.

ग्यारह बुद्धिजीवियों को मिला उत्तराखंड रत्न

देहरादून। अखिल भारतीय बौद्धिक सम्मेलन में 11 बुद्धिजीवियों को उत्तराखंउ रत्न सम्मान दिया गया। देहरादून में सोमवार को मृदा एवं जल संरक्षण सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एआईसीओआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. एस फारूक ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके अमूल्य सामाजिक योगदान और समाज के लिए विशेष सामाजिक सेवाओं के लिए बधाई दी। उत्तराखंड विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजेश टंडन ने समारोह की अध्यक्षता की। सम्मानित होने वालों में हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बुद्धिजीवी शामिल थे। मौके पर विधायक खजान दास बीएसएम कॉलेज के अध्यक्ष पंडित मनोहर लाल शर्मा, निदेशक पंडित रजनीश, विधायक प्रदीप बत्रा, समाजसेवी रश्मि चौधरी, डॉ. अर्चना त्यागी, उत्तराखंड उर्दू अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय शायर अफजल मंगलौरी आदि मौजूद थे।

बस्तीवासियों के पुनर्वास को ठोस कदम उठाने की मांग की

देहरादून। सीटू और अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने सोमवार को उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सभी ने बस्तीवासियों के पुनर्वास को ठोस कदम उठाने की मांग की। साथ ही कहा कि शहर में नदी नालों के उपर कई बिल्डर, होटल संचालकों द्वारा कब्जे करने के मामले सामने आ रहे हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जो लोग मकान 11 मार्च 2016 से पहले बने होने के साक्ष्य उपलब्ध करवा रहे हैं। उनके नाम सूची से हटाने की मांग की। इस दौरान सीपीएम सचिव अनन्त आकाश, सीटू के राज्य सचिव लेखराज, एटक के एसएस रजवार, चेतना आन्दोलन के विनोद बडोनी, एसएफआई नेता शैलेन्द्र परमार, पीएसएम के विजय भट्ट, राजेन्द्र शाह, इन्टक के अनिल कुमार, हरीशकुमार आदि मौजूद रहे।

तुलाज इंस्टीट्यूट में सैनिटरी पैड वितरण

देहरादून। मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने और सैनिटरी पैड के सुरक्षित डिस्पोजल के लिए तुलाज इंस्टीट्यूट ने एक नई पहल की है। सोमवार को इंस्टीट्यूट परिसर में सैनिटरी पैड का निशुल्क वितरण और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए एक इन्सिनरेटर मशीन लगवाई गई है। इन्सिनरेटर मशीन का उद्घाटन वाइस चेयरपर्सन रौनक जैन, तुलाज़ इंटरनेशनल स्कूल के हेडमास्टर रमन कौशल, डीन ऑफ पब्लिकेशन जसविंदर, एचआर हेड श्वेता तरियाल और एडमिन हेड रिखीपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर रौनक जैन ने मासिक धर्म स्वच्छता और सैनिटरी पैड के सुरक्षित डिस्पोजल के महत्व पर जोर दिया।तुलाज़ ग्रुप के चेयरमैन सुनील जैन ने इसे स्वस्थ जीवन के लिए एक नई पहल बताया।

बर्गर खाया तो 3 दिन में पचेगा, जानिए नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : फास्ट फूड का शौकीन कौन नहीं होता. पिज्जा, बर्गर, चिकन विंग्स, फ्रेंच फ्राइज – ये पढ़ते हुए ही आपके मुंह में पानी आ रहा होगा. फास्टफूड खाने में स्वादिष्ट होता है, इसे खाना भी बहुत आसान होता है. लेकिन क्या आपको मालूम है कि ये पेट में जाकर पचने में तीन दिन तक ले लेता है.कुछ समय पहले एक वेबसाइट 'फास्ट फूड प्राइस' ने एक टाइमलाइन बनाई. इसमें एक मल्टीनेशनल बर्गर कंपनी के मशहूर और सबसे चहेते बिग बर्गर का जिक्र है. इस वेबसाइट ने बताया है कि एक बिग बर्गर खाने के 1 घंटे तक आपके शरीर में क्या-क्या रासायनिक क्रियाएं होती हैं.वेबसाइट ने बताया कि बिग बर्गर खाने के 10 मिनट बाद से लेकर 1 घंटे तक शरीर के अंदर ब्लड शुगर, एन्जाइम और हॉर्मोन किस तरह चढ़ते और उतरते हैं.

हमारा दिमाग अधिक कैलोरी वाले भोजन को खाकर ही संतुष्ट होता है. यह हमारे पूर्वजों की देन है. दरअसल आदिमानवों के दौर में जब भोजन की कमी थी, हमारे पूर्वजों को अपना पेट भरा रखने के लिए अधिक कैलरी का भोजन खाना पड़ता था. इसीलिए करीब 540 कैलोरी से भरा हुआ 'बिग मैक' खाने के बाद पहले 10 मिनट तक हमारा मन खुश हो जाता है.इसके पीछे का कारण है दिमाग द्वारा रिलीज किए गए 'फील

गुड' केमिकल जैसे डोपामाइन न्यूरोट्रान्समीटर. इसीलिए बर्गर खाने के पहले 10 मिनट तक हमें संतुष्टि और खुशी की फीलिंग महसूस होती है. कई वैज्ञानिकों का मानना है कि ये 'फील गुड' केमिकल कोकीन जैसे ड्रग्स से मिलता-जुलता असर करते हैं और बार-बार हमें ये हाई- कैलोरी फास्ट फूड खाने के लिए प्रेरित करते हैं.

कुछ मिनट बाद शरीर में सोडियम का अटैक

अब 'फील गुड' केमिकल का असर खत्म होने लगता है. यहीं से फास्ट फूड के नुकसान असर करना शुरू करते हैं.

बर्गर के बन में भारी मात्रा में फ्रक्टोज कॉर्न सिरप और सोडियम की भारी मात्रा पाई जाती है. इसी वजह से एक एक बर्गर खाने के 20 मिनट बाद ही एक और बर्गर खाने की तलब लगने लगती है. बन में 970 मिलीग्राम सोडियम होता है. सोडियम की आदत है कि बहुत अधिक मात्रा में पानी सोखता है.970 मिलीग्राम सोडियम अगल-बगल वाली कोशिकाओं से पानी सोखने लगता है. इस कारण शरीर में डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो जाती है. यही कारण है कि हमारे दिल को अधिक तेजी से काम करना पड़ता है. शरीर का तापमान और ब्लडप्रेशर तेजी से बढ़ता है और हमें कुछ मीठा पीने की तलब होने लगती है.

अब आपके दिमाग के भूख लगने वाले सेंटर फिर से एक्टिव हो जाते हैं. इसका कारण है कि आपके दिमाग ने शरीर के बढे हुए ब्लड शुगर पर से नियंत्रण खो दिया है. यही कारण है कि अब आपके शरीर को और अधिक हाई-कैलोरी भोजन खाने की इच्छा होने लगती है. हाई-कैलोरी भोजन खाने के बाद आपके खून में इन्सुलिन तेजी से बढ़ता है और ग्लूकोज को घटा देता है. इस वजह से आपको भोजन के बाद भी भूख लगती है.

थराली में शौर्य महोत्सव की तैयारियां तेज

चमोली। उत्तराखंड के प्रथम अशोक चक्र विजेता शहीद भवानी दत्त जोशी की स्मृति में 6 से 8 जून तक थराली के चेपड़ों गांव के शौर्य महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव का आयोजन शहीद भवानी दत्त स्मारक इंटर कॉलेज में आयोजित होगा। महोत्सव की आजकल तैयारियां चल रही हैं। मेला अध्यक्ष बीरु जोशी, मेला समिति के देवेंद्र सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य देवी जोशी और प्रधानाचार्य दिगपाल सिंह गडिया ने बताया कि मेले का उद्घाटन 6 जून को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे।

मेले मे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मेला स्थल में भूतपूर्व सैनिकों की मेडिकल जांच की सुविधा के साथ उनकी पेंशन आदि की समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। बताया कि 6 जून को सर्वप्रथम आर्मी बैंड के साथ शहीद स्मारक पर रीत चढ़ाने के साथ ही मेले का भव्य उद्घाटन होगा। 3 दिनों तक चलने वाले मेले में सुबह 8:00 बजे से रात्रि 11:30 बजे तक उत्तराखंड के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। स्कूली छात्र-छात्राओं, महिला मंगल दलो के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले में मुख्य आकर्षण के केंद्र होंगे।

संपादकीय

त्रासद क्यों हों चुनाव?

आज आम चुनाव, 2024 का जनादेश सार्वजनिक होगा। उसी के साथ चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया सम्पन्न हो जाएगी। देश को नई लोकसभा और नई सरकार मिलेगी। निर्वाचन आयोग ने देश के मतदाताओं, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों, चुनाव कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों और मीडिया आदि का, एक विज्ञापन के जरिए, 'धन्यवाद' किया है, लेकिन कुछ खट्टे, कड़वे अनुभव, कुछ सवाल और त्रासदियां पीछे छूट गई हैं, जिनका अब जिक्र तक नहीं होगा। एक आंकड़ा '25' हमेशा त्रासदी को याद दिलाता रहेगा, क्योंकि यह संख्या उप्र और बिहार के उन चुनाव कर्मियों की है, जो भीषण लू की चपेट में आकर अपनी जिंदगी गंवा बैठे। ये त्रासदियां और भी संत्रस्त करेंगी, क्योंकि इन त्रासदियों का पूर्वानुमान होना चाहिए था। अप्रैल की शुरुआत से ही मौसम विभाग ने चेतावनी और परामर्श जारी किए थे कि इस बार गर्मी कुछ अधिक 'असामान्य' होगी। ऐसी गरम लू चलने की संभावनाएं जताई गई थीं कि लू की अवधि 10-20 दिन भी हो सकती है। अमूमन लू की अवधि 4-8 दिन की होती है। बेशक चुनाव आयोग ने मतदाताओं और चुनाव कर्मियों के बचाव के लिए, बूथ स्तर पर ही, बंदोबस्त सुनिश्चित किए थे, लेकिन चुनाव कर्मी हमेशा ही असुरक्षित तथा अति संवेदनशील महसूस करते हैं, क्योंकि उनका काम ऐसा ही है। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि चुनाव कर्मी सैनिकों की तरह खतरनाक और जोखिम भरे काम के लिए नहीं हैं। चुनाव का दायित्व अधिकतर अध्यापक, दफ्तरी या क्लर्क आदि ही निभाते हैं, लिहाजा यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि उन्हें सुरक्षित माहौल में रखे। कमोबेश जिंदगी खत्म नहीं होनी चाहिए। इस संदर्भ में आयोग को चुनाव के वैकल्पिक कलैंडर पर विचार करना चाहिए। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, ईमानदारी, तटस्थता और व्यापकता पर कोई सवाल या संदेह नहीं है। सर्वोच्च अदालत के सामने भी मामला गया था, जिसने हस्तक्षेप या आयोग का आधार बड़ा करने का कोई फैसला सुनाने से इंकार कर दिया। चुनाव आयोग कई चरणों में मतदान के कार्यक्रम पर पुनर्विचार जरूर करे। लोकसभा का कार्यकाल मई-जून तक है, तो चुनाव अप्रैल तक सम्पन्न कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के पास बजट और श्रम-बल की कोई कमी नहीं है। विभिन्न सुरक्षा बलों की व्यवस्था गृह मंत्रालय करता है। यदि मतदान कम समय में ज्यादा क्षेत्रों में होना है, तो मंत्रालय उसकी भी व्यवस्था कर सकता है। कई बच्चों की परीक्षाएं आड़े आती हैं। वे भी साथ-साथ चल सकती हैं, क्योंकि सभी बच्चे मतदाता नहीं हैं। इस पहलू पर स्कूलों के साथ बैठकर तय किया जा सकता है। अब हम इतने तकनीक सम्पन्न भी हो चुके हैं कि कम अवधि में ज्यादा बड़ा चुनाव सम्पन्न करा सकते हैं। अगले संसदीय चुनाव तक ईवीएम का भी पर्याप्त बंदोबस्त किया जा सकता है। चूंकि जलवायु-परिवर्तन के कारण मौसम भी बदल रहा है। हमने पहली बार देखा कि तापमान 50-52 डिग्री सेल्सियस तक उछल गया था। गर्मी-लू से देश भर में करीब 60 मौतें हो चुकी हैं। मतदान भी प्रभावित हुए थे। क्या मतदान 4-5 चरण में नहीं कराए जा सकते? क्या पहले ऐसा नहीं किया गया था? कमोबेश गर्मियों के 'चरम' की स्थिति में चुनाव नहीं होने चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

हाई हील्स का अविष्कार लड़कों के लिए हुआ था !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 जून : दुनिया में हर समय जरूरतों के अनुसार नए-नए आविष्कार होते रहे हैं. कुछ जरूरतें इंसान की प्रकृति ने पूरी कीं तो वहीं कुछ जरूरतों को इंसान ने खुद नए-नए अविष्कार करके पूरा कर लिया. हालांकि कई चीजों का आविष्कार किया किसी और उद्देश्य से गया था, लेकिन अब उनका इस्तेमाल किसी दूसरी ही जगहों पर हो रहा है. उन्हीं में से एक है हाई हील्स. जी हां, लड़कियां सुंदर दिखने के लिए या अपनी हाइट ज्यादा दिखाने के लिए जिन हाई हील्स को पहनती हैं असल में उनका अविष्कार ही लड़कों के पहनने के लिए हुआ था. तो चलिए इस हाई हील्स की कहानी को जानते हैं.

पहली बार क्यों बनाई गई थी हाई हील्स?

इतिहास को देखें तो हाई हील्स का आविष्कार 1000 ईसा पूर्व किया गया था. उस समय इसका आविष्कार करने के पीछे सोच ये थी कि इन्हें पहनकर मर्द और भी मर्दाना नजर आएंगे. इसी वजह से मर्दों के लिए ऊंचे सोल वाले जूते बनाए गए. इस हाई हील्स जूतों का इस्तेमाल सबसे पहले पर्शियन लोगों ने किया था. वहीं सबसे पहले घुड़सवारों के हाई हील्स पहनाई जाती थीं.

कुछ समय बाद लड़कियां इन हाई हील्स का इस्तेमाल करने लगीं. उनपर ये हील्स जंचने भी लगीं और वो जल्द ही इसमें कंफर्टेबल भी हो गईं. जिसके बाद अब ज्यादातर लड़कियों के पैरों में हाई हील्स नजर आने लगी. लड़कियां इनमें आसानी से कंफर्टेबल हो जाती है. साथ ही इनके जरिए उनका फैशनेबल लुक भी पूरा हो जाता है. यही वजह है कि हाई हील्स लड़कियों की पहचान बन गई. हालांकि इतिहास खोलकर जब देखेंगे तो सच्चाई यही मिलेगी कि इनका आविष्कार लड़कियां नहीं बल्कि लड़कों के लिए किया गया था. अब भी यदि आप लड़कों के जूते देखेंगे तो आपको आसानी से ऊंचे सोल वाले जूते मिल जाएंगे.

मियांवाला में ओवरसीज बैंक की शाखा शुरू

देहरादून। इंडियन ओवरसीज बैंक की ओर से सोमवार को मियांवाला में इंडियन ओवरसीज बैंक की 46वीं नई शाखा का उद्घाटन किया गया। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने रिबन काटकर शाखा का शुभारंभ किया। उन्होंने शाखा प्रबंधन को ग्राहकों की सुविधाएं बढ़ाने और नई शाखा के लिए शुभकामनाएं दी। इंडियन ओवरसीज बैंक के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक शशिकांत भारती ने कहा कि मियांवाला क्षेत्र में ग्राहकों की आवश्यकता को देखते हुए शाखा का शुभारंभ किया गया है। भविष्य में अन्य जनपदों में भी बैंक की ओर से शाखा का विस्तार किया जाएगा। मौके पर बैंक के मुख्य प्रबंधक श्रीनिवासु दुग्गीराला, रामजी सिंह, बिप्लब मुखोपाध्याय, मियांवाला शाखा के प्रबंधक आशीष बिष्ट आदि मौजूद थे।

वार्षिक पूजन 21 और 22 जून को

पौड़ी। भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के गांव घीड़ी में हर वर्ष होने वाले कुलदेवी मां बालकुंवारी का वार्षिक पूजन, भंडारा व ग्रामवासी-प्रवासी मिलन 21 व 22 जून को मनाया जाएगा। पिछले 25 सालों से हर साल यह वार्षिक पूजन किया जाता है। वार्षिक पूजन को लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई है। मंडल मुख्यालय से 33 किलोमीटर दूर घीड़ी में होने वाले वार्षिक पूजन में एनएसए डोभाल सहित गांव के लगभग सभी प्रवासी शामिल होते हैं। साथ ही गगवाड़स्यूं के निचले हिस्से के सभी गांव और बनेलस्यूं के कई गांव के ग्रामीण भी शामिल होते हैं I मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय बडोनी ने बताया कि इस विशेष पहल से पिछले वर्षों में प्रवासियों ने अपने खंडहर हुए घरों को न केवल नया बनाया, बल्कि इससे रिवर्स पलायन को भी बढ़ावा मिला है। बताया कि वार्षिक पूजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

बीपीएल और आर्थिक कमजोर वर्ग का फ्री में पास होगा नक्शा

हरिद्वार। हरिद्वार में अब बीपीएल, दिव्यांग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का निःशुल्क नक्शा पास करवाया जाएगा। निजी आर्किटेक्ट भी इसके लिए फीस नहीं लेंगे। सोमवार को हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में हेल्प डेस्क के द्वारा निशुल्क मानचित्र पास किए जाने की योजना को लेकर हरिद्वार-रुड़की इंजीनियर आर्किटेक्ट एसोसिएशन के बीच चला आ रहा गतिरोध सोमवार को समाप्त हो गया।

सोमवार को हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह और हरिद्वार रुड़की इंजीनियर आर्किटेक्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बीच हेल्प डेस्क के माध्यम से निशुल्क मानचित्र स्वीकृत किए जाने की योजना को लेकर एक बैठक हुई।

एसएसपी पौड़ी के निर्देशन में, पौड़ी पुलिस साइबर ठगों को पंहुचा रही सलाखों के पीछे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 04 जून : देव पुंडीर पुत्र सते सिंह, निवासी- निकट पुलिस लाइन पौड़ी थाना पौड़ी जनपद पौड़ी गढवाल ने कोतवाली पौड़ी पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि अज्ञात व्यक्ति ने वादी के व्हाट्स ऐप पर वीडियो कालिंग कर वीडियो बनाकर ब्लैक मेल करने तथा उसके खिलाफ राजस्थान पुलिस में एफ0आई0आर0 दर्ज होने व वादी को डरा धमकाकर धोखाधड़ी कर वादी से रू0 4,20,000/- की धनराशि अपने बैंक खाते में ट्रांसफर किये जाने के सम्बन्ध में दिया गया।

इस शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर कोतवाली पौड़ी पर मु0अ0सं0- 25/24, धारा 384, 420, 504, 506 भा0द0वि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गयावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा आम जनमानस के साथ हो रही इन नवीन प्रकार की धोखाधड़ी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी कर घटना का अनावरण करने हेतु प्रभारी निरीक्षक पौड़ी को टीम गठित करने हेतु निर्देशित किया गया।

निर्गत निर्देशों को क्रम में गठित पुलिस टीम द्वारा ठोस साक्ष्य संकलन व कुशल सुरागरसी पतारसी कर अथक प्रयासों से उक्त अभियोग में संलिप्त अभियुक्त विशाल वाल्मीकि को जयपुर, राजस्थान से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर कर जेल भेज दिया गया है अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस लगातार प्रयासरत है। अभियोग उपरोक्त में संलिप्त महिला अभियुक्ता माया देवी पत्नी रवि कुमार, निवासी कुसुमपुर अजीतगढ़, थाना अजीतगढ़ जिला नीमकाथाना, राजस्थान को 41 सीआरपीसी का नोटिस दिया गया है।

अभियुक्त का नाम पताः-अभियुक्त विशाल वाल्मीकि पुत्र रवि कुमार, निवासी मोहल्ला कुसुमपुरा, थाना अजीतगढ़, जिला नीमकाथाना, राजस्थान।

पंजीकृत अभियोगः- मु0अ0सं0 25/24, धारा 384,504,506,420/120 बी0 भा0द0वि0 व 66 डी आई0टी0एक्ट

पुलिस टीमः- 1. उ0नि0 नवीन पुरोहित कोतवाली पौड़ी2. हे0कानि0 त्रिलोक कोतवाली पौड़ी3. आरक्षी अमरजीत सायबर सेल4. आरक्षी हरीश ciu पौड़ी5. रि0का0 अरविंद कुमार कोतवाली पौड़ी

मुख्यमंत्री ने की चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। चार धाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुये श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने हरिद्वार व ऋषिकेश में ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन की संख्या को 1500 से बढ़ाकर 2000 प्रतिदिन किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाना हमारा उद्देश्य है। इस व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल की कमी को दूर करने के लिये प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल संचय एवं जल संवर्द्धन के प्रति संजीदगी के साथ योजना बनाने पर ध्यान दिया जाए। इसे जन आंदोलन के रूप में संचालित करने के लिये आम जनता को इससे जोड़ने के प्रयास किये जाएं। इसके लिये मुख्यमंत्री ने जल संचय, जल संवर्धन तथा भू-जल स्तर में सुधार के लिये बनायी जाने वाली कार्ययोजना के लिये सचिव श्री शैलेश बगोली तथा विशेष सचिव श्री पराग मधुकर धकाते को नोडल अधिकारी नामित किये जाने के भी निर्देश दिये हैं।

प्रत्याशी, आरओ,डीईओ व ऑब्जर्वर की मौजूदगी में खुलेगा स्ट्रांग रूम

देहरादून। लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए मंगलवार को स्ट्रांग रूम लोकसभा प्रत्याशी, आरओ व डीईओ व ऑब्जर्वर की मौजूदगी में ही खोले जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्याशियों को दूरस्थ एआरओ ऑफिस में भी अपना एजेंट तैनात करने की इजाजत दी गई है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय जोगदंडे ने बताया कि मतगणना की तैयारियों के तहत आरओ स्तर पर सभी राजनैतिक दलों के साथ बैठक की गई जिसमें स्ट्रॉग रूम खोलते समय अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में सभी राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रत्याशी के साथ ही आरओ, डीईओ, ऑब्जर्वर की मौजूदगी अनिवार्य होगी। एआरओ ऑफिस में प्रत्याशी को अपने प्रतिनिधि को तैनात करने की भी इजाजत दी गई है। उन्होंने बताया कि सभी जगह स्ट्रांग रूप खोलते समय अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। मतगणना स्थल पर तीन स्तरीय सुरक्षा घेरा रखने का निर्णय लिया गया है।

मतगणना स्थल पर फोन ले जाने की इजाजत नहीं : विजय जोगदंडे ने बताया कि मतगणना स्थल पर किसी को भी फोन व कोई भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की इजाजत नहीं होगी। पहले घेरे पर ही पुलिस जांच होगी और वहां से किसी को गाड़ी अंदर ले जाने की भी इजाजत नहीं होगी। जोगदंडे ने बताया कि राज्य में मतगणना के लिए कुल 884 टेबल बनाई गई हैं। कुल 3900 कर्मचारियों को मतगणना ड्यूटी में लगाया गया है। राज्य की पांच लोकसभा सीटों पर मतगणना की निगरानी के लिए चुनाव आयोग ने 27 ऑब्जर्वर नियुक्त किए हैं। सभी ऑब्जर्वर अपने अपने क्षेत्रों में तैनात हैं और मतगणना पर पूरी नजर बनाए रखेंगे।

फोन पर साली का एक्सिडेंट होने की बात कहकर एक लाख ठगे

देहरादून। फोन पर परिचित बनकर कैंट क्षेत्र निवासी व्यक्ति से साइबर ठग ने एक लाख रुपये हड़प लिए। आरोपी ने पीड़ित को झांसा दिया कि उसकी साली का एक्सिडेंट हो गया है। इसलिए रुपयों की जरूरत है। दो दिन बाद उनके पास आकर रकम लौटाने की बात कही। बाद में पीड़ित को फर्जीवाड़े का पता लगा। उनकी तहरीर पर कैंट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कैंट गिरीश चंद शर्मा ने बताया कि दिनेश बलराम सिंह निवासी टपकेश्वर कॉलोनी, गढ़ी कैंट की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित ने कहा कि नरेंद्र यादव उनका दोस्त है। बीते 20 मई को एक अनजान नंबर से पीड़ित को फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि वह उनका दोस्त नरेंद्र यादव बोल रहा है। झांसा दिया कि उसकी साली का एक्सिडेंट हो गया है। उपचार के लिए तत्काल एक लाख रुपये की जरूरत है। पीड़ित ने अपना दोस्त समझकर उसके बताए खाते में एक लाख रुपये भेज दिए। रकम लेते वक्त कहा कि 22 मई को वह खुद आकर लौटा देगा। 22 मई को जब पीड़ित ने अपने दोस्त नरेंद्र यादव से संपर्क किया तो पता लगा कि उसने कोई रकम नहीं ली। तब साइबर ठगों के इस वारदात को अंजाम देने का पता लगा। इंस्पेक्टर जीसी शर्मा ने बताया कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ओबरॉय बने उत्तराखंड स्टूडेंट्स फेडरेशनके सलाहकार सदस्य

देहरादून। उत्तराखंड स्टूडेंट्स फेडरेशन (यूएसएफ) ने राज्य आंदोलनकारी अमित ओबरॉय को सर्वसम्मति से संगठन का सलाहकार सदस्य बनाया है। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को ओबरॉय के प्रगति विहार स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की। फेडरेशन के अध्यक्ष लूशुन टोडरिया और युवा आंदोलनकारी प्रांजल नौडियाल ने बताया कि राज्य आंदोलन के दौरान मुजफ्फरनगर कांड की बरसी पर रिस्पना पुल में हुए पुलिस के लाठीचार्ज में अमित गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके कंधे का निचला हिस्सा पूर्ण रूप से बेजान हो गया था।

पति पर पत्नी का गला दबाकर हत्या की कोशिश का आरोप, केस दर्ज

हरिद्वार। एक महिला ने अपने पति पर गला दबाकर हत्या करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। ज्वालापुर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। विवेक विहार निवासी प्रियंका शर्मा ने ज्वालापुर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रविवार की दोपहर में वह अपने घर में मौजूद थी। इसी दौरान उसकी सास राजरानी ने उसके साथ मारपीट कर दी। हो हल्ला होने पर उसके पति मनीष कश्यन आ गए। उन्होंने उसका गला दबाकर मारना चाहा। किसी तरह उसकी जान बच गई। आरोप है कि उसकी दो बेटियां है और बेटा नहीं होने पर ससुराल वाले उत्पीड़न करते हैं। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि पत्नी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जिला अस्पताल के कर्मचारी नेता लखेड़ा की बेटी बनी लेफ्टिनेंट

हरिद्वार। । जिला अस्पताल में तैनात कर्मचारी नेता दिनेश लखेड़ा की बेटी ने लेफ्टिनेंट बनकर नाम रोशन किया है। बेटी की इस उपलब्धि से पूरा परिवार बेहद गदगद है। उनकी बेटी शिल्पी लखेड़ा का भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवाओं में लेफ्टिनेंट पद पर चयन हुआ है। शिल्पी लखेड़ा ने जनवरी 2024 में एमएनएस के लिए परीक्षा दी थी। पहले बैच के 198 बच्चों में शिल्पी लखेड़ा को मिलिट्री हॉस्पिटल झांसी में तैनाती मिली है। माता दीपाली लखेड़ा, दादी शिवदेई लखेड़ा ने शिल्पी की उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की है। साथी कर्मचारियों ने भी परिवार को शुभकामनाएं दी हैं।

सुरक्षा के तीन घेरे में होगी मतगणना

हरिद्वार। आज होने वाली मतगणना के लिए सुरक्षा के तीन घेरे बनाए गए हैं। इसके अलावा मतगणना केंद्र एजेंट ओर कार्मिकों के अलावा किसी अन्य की एंट्री नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने सोमवार को निरीक्षण के दौरान मीडिया को यह जानकारी दी। सोमवार को ऑब्जर्वर लोचन सेहरा, जिला निर्वाचन अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने केन्द्रीय विद्यालय पहुंचकर मतगणना हेतु चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि बैरिकेडिंग, टैन्ट, पेयजल, खानपान ,विद्युत, इंटरनेट, पार्किंग आदि सभी व्यवस्थाओं को देखा।

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी के चलते जंगलों के प्राकृतिक जल स्रोत भी सूखने लगे

हरिद्वार। भीषण गर्मी में हरिद्वार का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके चलते जंगलों में पानी के प्राकृतिक स्रोत भी सूखने लगे हैं। वन्यजीवों की प्यास बुझाने के लिए जंगल में बनाए गए कच्चे और पक्के वाटर हॉल में टैंकर से पानी की सप्लाई की जा रही है। राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क और वन विभाग की विभिन्न रेंजों में वन्यजीवों को पानी उपलब्ध कराने के लिए कई कच्चे और पक्के वाटर हॉल बनाए गए हैं। जंगल में बनाए गए इन वॉटर हॉल में प्राकृतिक स्रोत से पानी की सप्लाई की जाती है। लेकिन राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क सहित वन विभाग की कई रंगों में भीषण गर्मी के चलते पानी के प्राकृतिक स्रोत सूखने लगे हैं और वन्य जीवों के लिए पानी की किल्लत भी होने लगी है।

महिला पर रिश्तेदारों के संग मिलकर पति को जहर देकर हत्या के आरोप ,मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। सिडकुल पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सोमवार को एक महिला पर रिश्तेदारों के संग मिलकर पति को जहर देकर हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। नवोदय नगर रोशनाबाद निवासी कल्लू कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका पुत्र धर्मेंद्र अपनी पत्नी के साथ रोशनाबाद में रह रहा था। आरोप है कि बहू के रिश्तेदार रूपा, सुनील निवासीगण लेबर कालोनी और कुलदीप निवासी नवोदय नगर सिडकुल का उसके घर आना जाना लगा रहता था। आरोप है कि सभी अक्सर उसके बेटे के घर बैठकर शराब पीते थे। उसे डराते धमकाते थे कि उसके पिता ने शराब पीने का विरोध किया तो उसकी हत्या कर देंगे। आरोप है कि 29 नवंबर 2022 को उसका छोटा बेटा रवि, अपनी मां रतना के साथ भाई के घर पहुंचा। कई दफा खटखटाने पर भी दरवाजा नहीं खुला, इसके बाद खिड़की से कमरे के अंदर प्रवेश किया।

बच्चों को निशुल्क दिया जा रहा नृत्य प्रशिक्षण

हरिद्वार। स्पर्श गंगा की ओर से दस दिवसीय समर कैंप में 50 से अधिक बच्चों को निशुल्क नृत्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सोमवार को कैंप में बच्चों को प्रेरणादायक कहानियां सुनाई गई। कैंप संयोजिका रीता चमोली, बिमला ढौंडियाल और मनु रावत ने बताया कि बच्चे कैंप में उत्साह से नृत्य सीख रहे हैं। रिद्धि श्री और कनक बच्चों को सुबह दस बजे से एक बजे तक नृत्य सिखा रही हैं। इंद्रपाल शर्मा और राजबाला शर्मा ने बच्चों को जूस और फल बांटे। कैंप में अंजलि खुशी, गुंजन, ओम, हरीश, अनमोल, आयुष, कृष्णा, वंश, विशेष आदि शामिल रहे।

अग्निकांड के पीड़ित परिवारों को शांतिकुंज परिवार ने राहत सामग्री भिजवाई

हरिद्वार। उत्तरकाशी की मोरी तहसील के सालरा गांव में भीषण अग्निकांड के पीड़ित परिवारों को शांतिकुंज परिवार ने राहत सामग्री भिजवाई। सभी परिवारों को चावल, आटा, दाल, चीनी, चायपत्ती, मसाले, नमक, मोमबत्ती, माचिस, दूध पाउडर, चना, गुड़ आदि सहित बर्तन किट के साथ कंबल, तिरपाल, चटाई और महिलाओं, बच्चों के कपड़े आदि सामग्री भेंटकर शांतिकुंज आपदा प्रबंधन दल वापस लौट आया। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख डॉ. प्रणव पण्ड्या और शैलदीदी ने कहा कि हमारी संवेदना पीड़ित परिवारों के साथ है। हमारे आराध्य देव ने जो सेवा का सूत्र दिया है, उसे शांतिकुंज नियमित रूप से करता आ रहा है। शांतिकुंज की राहत टीम में मंगल सिंह गढ़वाल, कृष्णा अमृते, पुन्नूलाल, नरेन्द्र गिरि आदि शामिल रहे।

ढाबे से 35 किलो गोमांस बरामद , ढाबा स्वामी गिरफ्तार

हरिद्वार। बहादराबाद पुलिस ने एक ढाबे से 35 किलो गोमांस बरामद कर ढाबा स्वामी को दबोच लिया। गोमांस उपलब्ध कराने के दो आरोपी अभी गिरफ्त से बाहर हैं। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसओ बहादराबाद नरेश राठौड़ ने बताया कि रविवार देररात मरगुबपुर गांव के एक ढाबे में गोमांस परोसने की सूचना मिली थी। शांतरशाह चौकी प्रभारी खेमेंद्र सिंह गंगवार की अगुवाई में पुलिस टीम ने ढाबे में छापा मारा। तलाशी लेने पर फ्रिज के अंदर से करीब 35 किलो गोमांस बरामद हुआ। पूछताछ में ढाबा स्वामी ईनाम ने कबूला कि गोमांस उसने तीन दिन पहले गुलशेर और मुंतजीर से खरीदा था। बताया कि गोकशी कर दोनों उसे मांस उपलब्ध कराते हैं। एसओ ने बताया कि पशु चिकित्साधिकारी को मौके पर बुलाकर जांच कराई गई तो प्रथम दृष्टया गोमांस होने की बात सामने आई है। सैंपल को विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है जबकि बाकी मांस को नष्ट कर दिया गया।